Patrika (Indore), 24th September 2025, Front Page – plus 04 (Page – 14)

#Research

पर्यावरणीय सस्टेनेबिलिटी और नई तकनीक पर रिसर्च करेंगे संस्थान

आइआइटी इंदौर बनेगा 'सक्षम', 3.85 करोड़ की पहली किस्त मिली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. देश में वैज्ञानिक शोध को नई दिशा देने के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन (एएनआरएफ) ने 'सक्षम' प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इसके लिए स्वीकृत 101.24 करोड़ रुपए की ग्रांट में से पहली किस्त 3.85 करोड़ रुपए जारी कर दिए गए हैं। प्रोजेक्ट का हब आइआइटी इंदौर होगा और यह अगले पांच सालों तक चलेगा। प्रोजेक्ट की कुल राशि में से 46.30 करोड़ उपकरणों (कैपिटल हेड) और 54.94 करोड़ सामान्य खर्चों (रिकरिंग हेड) पर खर्च किए जाएंगे। हब और स्पोक संस्थानों में अत्याधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे, जैसे- मेटल एडिटिव मैनुफैक्चिरिंग यूनिट, स्पेक्टोस्कोपी और इमेजिंग सिस्टम, हेल्थकेयर व लाइफ साइंसेज के लिए आधुनिक लैब सेटअप।

नेटवर्क में शामिल संस्थान

आइआइटी इंदौर इस प्रोजेक्ट का हब होगा, जबकि छह प्रमुख विवि स्पोक संस्थान के रूप में जुड़ेंगे। बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी, डीएवीवी, आइआइआइटी भोपाल, एनआइटी कुरुक्षेत्र, आरटीएम नागपुर यूनिवर्सिटी और विक्रम यूनिवर्सिटी, उज्जैन इसमें शामिल हैं। इन सातों संस्थानों के 56 विभागों के 165 फैकल्टी सदस्य मिलकर रिसर्च करेंगे।

प्रोजेक्ट के बड़े लक्ष्य

- पर्यावरणीय सस्टेनेबिलिटी और नई तकनीक
- हेल्थकेयर व मेडिकल टेक्नोलॉजी में प्रगति
- एडवांस्ड मटीरियल्स और मैन्युफैक्चरिंग में नई खोज

कितना मिलेगा किसे

- **आइआइटी इंदौर -31.13 करोड़ रुपए**
- **डीएवीवी - 24.43 करोड़ रुपए**
- एनआइटी कुरुक्षेत्र - 17.69 करोड़ रुपए
- विक्रम यूनिवर्सिटी - 13.58 करोड़ रुपए
- बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी - 5.03 करोड़ रुपए
- आरटीएम नागपुर यूनिवर्सिटी - 4.88 करोड़ रुपए
- आइआइआइटी भोपाल - 4.49 करोड़ रुपए

वैश्विक स्तर पर तैयार होगा रिसर्च का ईकोसिस्टम

आइआइटी इंदौर के नेतृत्व में शुरू हुआ प्रोजेक्ट भारतीय संस्थानों के लिए वैश्विक स्तर का रिसर्च ईकोसिस्टम तैयार करेगा। छात्रों और शोधकर्ताओं को आधुनिक प्रयोगशालाओं, मेंटरशिप और संसाधनों का लाभ मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि 'सक्षम' देश में रिसर्च और इनोवेशन को मजबूती देने के साथ ही भारत को स्वास्थ्य, पर्यावरण और तकनीकी क्षेत्र में विश्व पटल पर अग्रणी स्थान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा।